(SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) and (b). In both, Bakultala and Bodra wells which were drilled to 3700 metres and 4200 metres respectively, no oil/gas bearing horizons of commercial significance were found. The wells were, therefore, abandoned.

Prices of Insecticides

7. SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the prices of insecticides are beyond the purchasing capacity of small farmers; and

(b) if so, whether, Government propose to take steps, to reduce their prices?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS & FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) and (b). At present Government exercises no control on the prices of pesticides. However, the Bureau of Industrial Costs and Prices has been requested to make a study on the cost structure of major items of pesticides manufactured in the country and on the possibilities of their cost reduction. Appropriate action as may be necessary will be taken on receipt of the report of the Bureau.

Electrification of Katwa-Calcutta Railway Line

8. SHRI DHIRENDRANATH BASU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state whether electrification of Railway from Katwa to Calcutta will be taken up during the financial year 1977-78?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): Calcutta/Howrah to Bandel railway line has already been electrified. There is no proposal at present to electrify the remaining section between Bandel and Katwa.

रासायनिक उर्वरकों का उत्पादन

9. श्री हुक्मदेव नारायण यादव : क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में रासायनिक उर्वरकों का उत्पादन करने वाले कारखानों के नाम क्या हैं और विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों के उत्पादन की कुल लागत क्या है और देश में प्रत्येक राज्य में इसे किस मूल्य पर सप्लाई किया जाता है ; और

(ख) विदेशों से कितनी मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का आयात किया जाता है और इसका आयात किस दर पर किया जाता है और देश में किस दर पर उसकी सप्लाई की जाती है ?

पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) रासायनिक उर्वरक का उत्पादन करने वाले कारखानों से संबंधित ब्यौरे सभा पटल पर रखे गए विवरण में दिए गए हैं। [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिए संख्या एल०टी०-51/77] देश में स्ट्रेट नाइट्रोजनयुक्त उर्वरक और स्ट्रेट फास्फेटिक्स और कम्पलेक्स उर्वरकों का उत्पादन बड़ी मात्रा में किया जाता है। देश में निर्मित विभिन्न प्रकार के उर्वरकों की कुल उत्पादन लागत, औद्योगिक लागत और मूल्य ब्यूरो के अध्यक्ष डा० एस० एस० मराठे की अध्यक्षता में स्थापित समिति के अन्वेषण धीन है।

तीन मुख्य नाइट्रोजनयुक्त उरर्वक अर्थात् यूरिया, अमोनियम सल्फेट और कैल्सियम अमोनियम नाइट्रेट के फुटकर मूल्य सांविधिक नियंत्रण में हैं। इनके वर्तमान मूल्य निम्न प्रकार हैं :—

	रुपए प्रति मी० टन
यूरिया	1650
अमोनियम सल्फेट	935
कैल्सियम अमोनिया नाइट्रेट	1015

ये मूल्य सारे देश में समान हैं। स्टेट और कम्पलेक्स दोनों फास्फेटिक उर्वरक के मूल्य सांविधिक रूप से नियंत्रित नहीं हैं। तथापि मार्च, 1976 से लागू मूल्य समर्थन योजना के अनुसार सरकार म्पलैक्स उर्वरकों के अधिकतम विक्रय मूल्य निर्धारित कर रही है। विद्यमान अधिकतम विक्रय मूल्य बता े वाला विवरण पत्र सभा तटल पर रखा गया। [ग्रन्था ्य में रखा गया। देखिये संख्या एल० टी०—51 77] विभिन्न नि ाताओं द्वारा निर्मित सिंगल सुपर-फास्फेट का अधिकतम विक्रय मूल्य फर्टिलाइजर एसोसिएशन आफ इंडिया द्वारा इस सूत्र (फार्मूला) जिसे सरकार क अनुमोदन प्राप्त था, के अनुसार निर्धारित किए गए हैं।

(ख) देश के अधि तम वाणिज्यिक हित के लिए विभिन्न स्त्रोतों से आयातित किए गये रासायनिक उर्वरकों के दर का बताना उचित नहीं समझा गया है। भाग (क) के उत्तर में बताए गए नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों अर्थात् यूरिया अमोनियम सल्फेट तथा कैल्सियम अमोनियम के मूल्य सांविधिक रूप से निर्धारित मूल्य हैं। अन्य आयातित स्ट्रेट और कम्पलैक्स उर्वरकों के मूल्य समय समय पर कृषि मंत्रालय द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। प्रचलित मूल्य सभा पटल पर रखे गए विवरण में दिखाए गए हैं। [ग्रन्था य में रखा गया। देखिये संख्या एल०टी०—51/77]

राजस्थान में नई रेल लाइनें

10. **श्री मीठा लाल पटेल** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पांचवी पंचवर्षीय योजना के दौरान राजस्थान मे कितनी नई रेल लाइनें बिछाने का विचार है ;

(ख) क्या इन तथ्यों के बावजूद राज्य में नई रेल लाइनें नहीं बिछायी जा रही हैं जबकि अनेक नई रेल लाइनों के लिए सर्वेक्षण किया जा चुका है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और किन-किन रेल लाइनों के लिए सर्वेक्षण किया जा चुका है और क्या उन रेल लाइनों पर आने वाली कुल लागत सहित सर्वेक्षण प्रतिवेदन को सभा पटल पर रखा जाएगा ; और

(ग) क्या जिन लाइनों का सर्वेक्षण हो चुका है उनमें करौली होकर जाने वाली धौलपुर-गंगापुर सिटी लाइन शामिल नहीं है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और क्या भविष्य में इस लाइन का सर्वेक्षण किया जायेगा, यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं और यदि हां, तो कब तक ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते) : (क) राजस्थान मे पड़ने वाली डावला-सिंध ा लाइन के निर्माण का काम पांचवी योजना के दौरान पहले ही पूरा हो चुका है। इस समय राजस्थान में न तो कोई दूसरी नयी लाइन निर्माणाधीन है और न निर्माण के लिए अनुमोदित की गयी है। चूंकि सम्पूर्ण 5वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान नयी रेलवे लाइनों का काम हाथ मे लेने संबंधी प्रस्तावों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है इसलिये यह कहना मुश्किल है कि 5वीं पंचवर्षीय योजना की बकाया अवधि में राजस्थान में किसी नयी रेलवे के लाइन निर्माण का काम हाथ में लिया जायेगा।

(ख) राजस्थान में निम्नलिखित नयी लाइनों के संबंध मे सर्वेक्षण हाल में पूरे किये